**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding contribution and conferment of Bharat Ratna to great tribal leader Birsa Munda.

**श्री राजेन्द्र धेड्या गावित (पालघर):** अध्यक्ष महोदय, मैं आज़ादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष का बिगुल बजाने वाले, आदिवासी स्वाभिमान के नायक एवं लोक देवता के रुपये में स्थापित बिरसा मुंडा जी को भारत रत्न देने के लिए आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करना चाहता हूँ ।

महोदय, महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी, जिन्होंने भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सैनिक एवं धार्मिक नेता और लोकनायक के रूप में, जो मंगू जनजाति के संबंधित हैं, वे ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल रेसिडेंसी ऑफ झारखण्ड में 15 नवंबर, 1875 को पैदा हुए थे । बहुत ही कम उम्र में उन्होंने आदिवासी धार्मिक आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसने उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महान व्यक्ति बना दिया । उन्होंने जमींदारों और जमीनदारी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई । अंग्रेजों के बिरसा मुंडा के नेतृत्व से डर होने लगा कि जब तक आदिवासी समाज को विश्वास में नहीं लेंगे, तब तक भारत में अपना व्यापार व राज्य स्थापित नहीं पाएंगे । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पुन: निवेदन करना चाहता हूँ कि बिरसा मुंडा और वीर सावरकर जैसे भारत माता के महान एवं वीर सपूतों को भारत रत्न दे कर खुद भारत रत्न का गौरव बढाएं ।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री सप्तगिरी उलाका एवं डॉ. भारती प्रवीण पवार को श्री राजेन्द्र धेड्या गावित द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।